चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.4.25	2	5-6

मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने को स्टार एग्री सीड्स कंपनी से समझौता

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विज्ञानियों की टीम के साथ • जागरण

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और पैदावार में इजाफा हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.4.25	9	2-8

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचेः कुलपति

एचएयू की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ हुआ समझौता

इससे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा

समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेंद्र पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय से डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया आदि रहे।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों की टीम के साथ।

कार्रवाई की गई

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम एच 1762 एवं एम एच 1772 किस्में पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। एम एच 1762 किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए व एम एच 1772, खरीफ में भारत के उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में काश्त के लिए अनुमोदित की गई है। एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एम एच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर तैयार हो जाती हैं। इनके दाने चमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होते है। दोनों ही किस्में सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। औसत उपज क्रमशः 14.5 क्विंटल तथा 13 .5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। नई किस्में बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व मूंग की अधिकतर बीमारियों के रोगरोधी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.4.25	2	1-3

मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की सीड कंपनी संग एचएयू ने किया समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित मूंग की उन्नत किस्मों को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह मौजूद रहे।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

हिसार में एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों की टीम के साथ। स्रोत : संस्थान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8-4-23	5	6-7

हकृवि की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कम्पनी के साथ हुआ समझौता

हिसार, 7 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.4.25	4	7-8

हकृवि की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की कंपनी के साथ हुआ समझौता

हिसार, 7 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.04.25	--	--

हकृवि की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ हुआ समझौता

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम एच 1762 एवं एम एच 1772 किस्में पीला मोज़ैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। एम एच 1762 किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए व एम एच 1772, खरीफ में भारत के उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में काश्त के लिए अनुमोदित की गई है। एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एम एच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर तैयार हो जाती हैं। इनके दाने चमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होते है। दोनों ही किस्में सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। औसत उपज क्रमशः 14.5 क्विंटल तथा 13 .5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। नई किस्में बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व मूंग की अधिकतर बीमारियों के रोगरोधी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ सुरेंद्र पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय से डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ राजेश यादव, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	07.04.25	--	--

हकृवि की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की कंपनी के साथ हुआ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.04.25	--	--

हकृवि की मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ हुआ समझौता

चिराग टाइम्स न्यूज़

हिसार । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772

का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड्स कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खुरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम एच 1762 एवं एम एच 1772 किस्में पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। एम एच 1762 किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए व एम एच 1772, खरीफ में भारत के उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में काश्त के लिए अनुमोदित की गई है। एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एम एच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर तैयार हो जाती है। इनके दाने चमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होते है। दोनों ही किस्में सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। औसत उपज क्रमश [illegible] 14.5 क्विंटल तथा 13 .5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। नई किस्में बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व मूंग की अधिकतर बीमारियों के रोगरोधी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ सुरेंद्र पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय से डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ राजेश यादव, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी उपस्थित रहे।